वर्ष :-1

अंक:-285

26.11.2025

बुधवार

अपना शहर अपना खबर

अपना नालन्दा

पेज 1 नालंदा का नंबर वन डिजिटल अखबार

www.apnanalanda.com

नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी अभियान, 25 निर्माण हटे, जुर्माना वसूला, सख्त कार्रवाई जारी

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नगर निगम क्षेत्र में सड़क किनारे फैलते अतिक्रमण पर कड़ी कार्रवाई करते हुए बिहारशरीफ नगर निगम ने मंगलवार को हॉस्पिटल मोड़ से भराव पर तक विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान शुरू होने के पूर्व संबंधित क्षेत्र में माइकिंग के माध्यम से सूचना दी गई, ताकि लोग स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने का अवसर प्राप्त कर सकें।निर्धारित समय के बाद भी कई लोगों द्वारा अतिक्रमण जारी रहने पर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए लगभग 25 अनधिकृत निर्माण और संरचनाओं को सफाई उपकरणों और मशीनों की मदद से हटाया। इसके साथ ही अतिक्रमणकर्ताओं पर निगम द्वारा कुल ₹17,250 का दंड शुल्क लगाया गया, जिसकी मौके पर ही वसूली की गई।अभियान के दौरान उप नगर आयुक्त शम्स रजा, नगर प्रबंधक, सहायक लोक अपशिष्ट स्वच्छता पदाधिकारी, पुलिस बल और सफाई शाखा की टीम संयुक्त रूप से मौजूद रही। पुलिस बल की तैनाती से अभियान शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से संपन्न हुआ।नगर निगम अधिकारियों ने कहा कि अतिक्रमण के कारण यातायात बाधित होता है, सफाई व्यवस्था प्रभावित होती है और आम लोगों को परेशानी झेलनी पड़ती है। ऐसे में शहर को व्यवस्थित और सुगम बनाने के लिए यह कार्रवाई आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा, और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।नगर निगम ने जनता से अपील की है कि वे स्वयं अतिक्रमण हटाकर शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और यातायात अनुकूल बनाए रखने में सहयोग करें।

सिरसी सड़क निर्माण में अनियमितता उजागर, जांच रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की उम्मीद

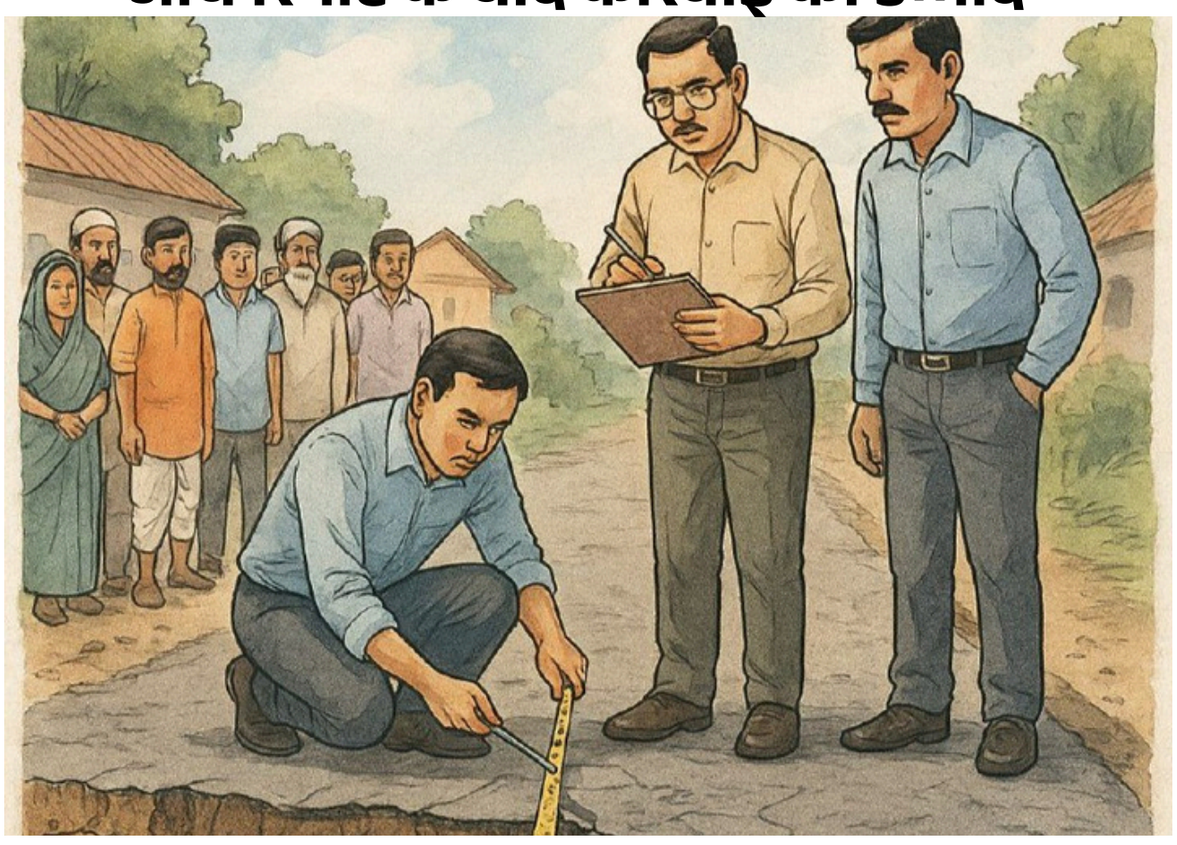

हरनौत (अपना नालंदा)। सिरसी गांव में सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवालों के बीच जिलाधिकारी कुंदन कुमार द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच टीम ने मंगलवार को स्थल निरीक्षण किया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में दिखाए गए निर्माण संबंधी दोषों की तुलना मौके की वास्तविक स्थिति से करने के बाद टीम ने अनियमितताओं की प्राथमिक पुष्टि की है।

जांच टीम में जिला पंचायती राज पदाधिकारी मनोहर कुमार साहू को टीम लीडर बनाया गया, जबकि मनोज कुमार (सहायक अभियंता, पथ निर्माण विभाग) और शिवनाथ राम (सहायक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग) सदस्य के रूप में शामिल थे। टीम ने सड़क की खुदाई, परतों की संरचना, सतह की मजबूती और मापी (मेजरमेंट) का विस्तृत परीक्षण किया।टीम लीडर मनोहर कुमार साहू ने बताया कि कई स्थानों पर लिए गए मापों में निर्माण मानकों से विचलन के संकेत मिले। उन्होंने स्वीकार किया कि ग्रामीणों की शिकायतें निराधार नहीं थीं, क्योंकि सड़क की परतें अपेक्षित गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाई गईं। यदि निर्धारित मानकों के अनुसार कार्य होता तो सड़क की सतह इतनी आसानी से उखड़ती नहीं, और उसकी मजबूती अधिक होती।जांच दल ने अपने सभी निष्कर्षों का विस्तृत प्रतिवेदन जिलाधिकारी को सौंप दिया है, जिसके बाद प्रशासन की अगली कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों और स्थानीय लोगों में इंतजार की स्थिति है। उधर, ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।स्थानीय लोग अब उम्मीद लगाए बैठे हैं कि जांच रिपोर्ट के आधार पर जल्द ही जवाबदेही तय होगी और निर्माण कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी।

एकता और युवाशक्ति संग विकसित भारत पदयात्रा का राजगीर में भव्य शुभारंभ

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में मेरा युवा भारत विभाग द्वारा जिला प्रशासन और एन.एस.एस. के सहयोग से Sardar@150 यूनिटी मार्च के अंतर्गत जिला स्तरीय विकसित भारत पदयात्रा का शुभारंभ जवाहर नवोदय विद्यालय, राजगीर के प्रांगण से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नालंदा के माननीय सांसद कौशलेन्द्र कुमार ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेरा युवा भारत की उपनिदेशक दीक्षा मिश्रा ने की, जबकि मंच संचालन लेक्चरर सुशील और अजित द्वारा किया गया।

उपनिदेशक दीक्षा मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि मंत्रालय द्वारा 6 अक्टूबर 2025 को Sardar@150 यूनिटी मार्च की शुरुआत केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा MY Bharat पोर्टल पर डिजिटल माध्यम से की गई। यह कार्यक्रम देश के सभी जिलों में आयोजित हो रहा है, जिसका उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति और कर्तव्य भावना को प्रोत्साहित करना है।सांसद कौशलेन्द्र कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि लौह पुरुष सरदार

वल्लभभाई पटेल ने आजादी के बाद 560 से अधिक रियासतों को एकजुट कर भारत को मजबूत राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। उनकी 150वीं जयंती को समर्पित यह पदयात्रा युवाओं में राष्ट्रीय एकता का संदेश लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील भी की।इसके बाद सांसद द्वारा पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो नवोदय विद्यालय से बाज़ार समिति मार्ग होते हुए आगे बढ़ी। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी शालिनी प्रसाद, प्राचार्य विनीत शुक्ला, एन.एस.एस. ऑफिसर डॉ. कामना, प्रतिक, सुमित, सुमंत समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कमल सागर किनारे बगुलों का अद्भुत सामूहिक जमावड़ा बना आकर्षण का केंद्र

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा विश्वविद्यालय स्थित कमल सागर के पार्श्ववर्ती क्षेत्र में मंगलवार को प्रकृति का एक अनोखा और मनमोहक दृश्य देखने को मिला। कमल सागर से सटे शांत जलाशय के किनारे अचानक बगुलों का एक विशाल समूह दिखाई दिया, जिसे देखकर वहां मौजूद लोग आश्चर्य में पड़ गए। दर्जनों बगुले एक ही दिशा में, समान दूरी बनाकर और लगभग एक सी मुद्रा में बैठे थे, मानो किसी मौन सम्मेलन का दृश्य उपस्थित हो।

स्थानीय लोगों और विश्वविद्यालय समुदाय का कहना है कि उन्होंने पहले कभी इतनी अनुशासित एवं व्यवस्थित मुद्रा में बैठे बगुलों का ऐसा समूह नहीं देखा। विश्वविद्यालय की छात्रा निष्ठा नंदनी, शुक्रिया, अक्षत आनंद और आध्या ने बताया कि यह दृश्य देखकर कुछ पल के लिए ऐसा लगा जैसे पक्षी अपने बीच किसी अदृश्य संवाद में मशगूल हों। पक्षीविशेषज्ञों के अनुसार बगुलों का इस तरह समूह

में बैठना मौसम परिवर्तन, प्रवास की तैयारी अथवा सामूहिक सुरक्षा व्यवहार का संकेत हो सकता है। हालांकि आम लोगों के लिए यह दृश्य पूर्णतः अद्भुत और कौतूहलपूर्ण रहा। कमल सागर के आसपास का क्षेत्र नालंदा विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक और शैक्षणिक महत्ता के कारण हमेशा शांत और सौम्य वातावरण प्रदान करता है। ऐसे माहौल में बगुलों का यह सामूहिक जमावड़ा एक प्रतीकात्मक संदेश भी देता है कि प्रकृति की दुनिया का अपना अनुशासन और सामूहिक चेतना होती है, जिससे मानव समाज बहुत कुछ सीख सकता है।

SAI BODHIT PVT. LTD.

बिहारशरीफ़ की नई पहचान

SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।

SHRIEJAN HEIGHTS

कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।

LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF

चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर .....

"BOOKINGS ARE NOW OPEN !"

BOOK 3BHK PREMIUM FLAT

Project Registration Number
BRERAP19200101102525043 2E00

₹ 4251/*SQ.FT.

60% Free Area

COMFORT, LUXURY WELLNESS

Amenities

- Swimming Pool
- Vastu Compliant Design
- Kids' Play Area
- Volleyball / Badminton Court
- Cricket net pitch
- Landscape & Roof Top Garden
- Temple in Premises
- Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
- 100% Power Backup
- Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
- EV Reserved Car Parking

Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)

Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004, 7280027960
60018 06049, 96615 74892

Contact us today to book your site visit!

हर जिले में नवाचार केंद्र बनाकर बिहार को औद्योगिक हब बनाएंगे: डॉ. जायसवाल

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। मंगलवार को डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने बिहार सरकार के उद्योग विभाग के मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के दौरान अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह, उद्योग विभाग के सचिव बी. कार्तिकेय धनजी, उद्योग निदेशक मुकुल कुमार गुप्ता सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

मीडिया से बातचीत में उद्योग मंत्री डॉ. जायसवाल ने कहा कि बिहार को भारत का अग्रणी औद्योगिक और नवाचार केंद्र बनाने की दिशा में सरकार तेजी से काम करेगी। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना और उद्यमिता को बढ़ावा देना उद्योग विभाग की शीर्ष प्राथमिकता होगी। मौजूदा योजनाओं को गति देकर और उन्हें सुदृढ़ करते हुए राज्य को निवेश, उद्योग और नवाचार का प्रमुख केंद्र बनाने का प्रयास किया जाएगा।डॉ . जायसवाल ने घोषणा की कि राज्य के प्रत्येक जिले में उद्योगिक और नवाचार केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इससे युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर मिलेंगे, स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन मिलेगा और उद्यमिता को नई दिशा प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि यह कदम बिहार को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से मजबूत राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।उद्योग मंत्री ने स्पष्ट किया कि विभाग पारदर्शिता, गति और समावेशिता के साथ कार्य करेगा, ताकि निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल तैयार हो सके। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास के नए आयाम स्थापित किए जाएंगे, जिसमें निवेश आकर्षित करना, मजबूत नीतियां बनाना और उद्योग आधारित रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी जाएगी।अंत में, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में बिहार उद्योग, निवेश और नवाचार का सशक्त केंद्र बनकर उभरेगा

हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना मेरी प्राथमिकता होगी: मंत्री संजय सिंह

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। मंगलवार को पटना स्थित विश्वेश्वरैया भवन में लोजपा (रामविलास) के महुआ से नवनिर्वाचित विधायक संजय सिंह ने बिहार सरकार में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के उपरांत विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया और औपचारिक अभिवादन प्रस्तुत किया।पदभार संभालने के बाद पत्रकारों से बातचीत में मंत्री संजय सिंह ने कहा कि बिहार के हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना, जल गुणवत्ता में सुधार करना और विभाग के कार्यों को पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, जिसे पूरी तत्परता के साथ पूरा किया जाएगा।

मंत्री ने एनडीए नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, “मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री व लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मुझे बिहारवासियों की सेवा का अवसर प्रदान किया।”

पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि इस अवसर पर बिहार सरकार के गन्ना उद्योग मंत्री संजय पासवान, पार्टी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अशरफ अंसारी, महिला सेल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ईंदू कश्यप, प्रदेश संसदीय बोर्ड अध्यक्ष हुलास पाण्डेय, युवा प्रदेश अध्यक्ष वेद प्रकाश पाण्डेय, चिकित्सा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार, प्रदेश महासचिव चंदन सिंह, प्रदेश प्रवक्ता निशांत मिश्रा, युवा प्रदेश प्रधान महासचिव प्रकाश कुशवाह, तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।मंत्री संजय सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि विभाग की योजनाओं को गति देकर बिहार को स्वच्छ पेयजल के क्षेत्र में सक्षम और अग्रणी राज्य बनाया जाएगा।

बिहार को पशु व मत्स्यपालन में अग्रणी बनाने पर मंत्री मेहता का जोर

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक विभागीय सभागार, पटना में मंत्री सुरेन्द्र मेहता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी, सचिव मनीष कुमार, कॉमफेड के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक, निदेशक पशुपालन उज्जवल कुमार सिंह, निदेशक मत्स्य अभिषेक रंजन, निदेशक गव्य केदार नाथ सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक की शुरुआत में विभाग की योजनाओं, उपलब्धियों और वर्तमान प्रगति से जुड़ी विस्तृत जानकारी पावर प्वॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से मंत्री के समक्ष प्रस्तुत की गई। अपर मुख्य सचिव ने विभाग के विभिन्न निदेशालयों द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं, वित्तीय उपलब्धियों तथा आगामी लक्ष्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इसके बाद पशुपालन, मत्स्य और गव्य निदेशालयों द्वारा अलग-अलग प्रस्तुतियों में दुग्ध उत्पादन वृद्धि, मत्स्य संसाधन विस्तार, पशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, नस्ल सुधार, पशुपालक प्रशिक्षण और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर फोकस किया गया।बैठक के दौरान मंत्री सुरेन्द्र मेहता ने विभागीय कार्यों में गति, पारदर्शिता और परिणामोन्मुखता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि जिलावार और प्रखंडवार पदाधिकारियों की सूची तथा योजनाओं की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराई जाए, ताकि राज्यभर में निगरानी और प्रबंधन मजबूत हो सके।मंत्री ने कहा कि बिहार को पशुपालन और मत्स्यपालन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए तकनीकी सुदृढ़ता, बेहतर समन्वय और लाभार्थियों तक समयबद्ध सेवाएं पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से जमीनी स्तर पर प्रभावी निगरानी कर किसानों, पशुपालकों और मत्स्यपालकों को अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने की अपेक्षा जताई।

मंत्रिमंडल फैसलों से विकसित बिहार की दिशा में मजबूत कदम: अशोक चौधरी

सुजीत कुमार

पटना(अपना नालंदा)। बिहार के ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने मंत्रिमंडल की हालिया बैठकों में लिए गए निर्णयों को राज्य के समग्र विकास की दिशा में मजबूत और निर्णायक कदम बताया। उन्होंने इन दूरदर्शी नीतियों के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है।मंत्री चौधरी ने बताया कि मंत्रिमंडल ने बिहार को पूर्वी भारत का नया टेक हब बनाने के उद्देश्य से डिफेंस कॉरिडोर, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पार्क, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स, मेगा टेक सिटी और फिनटेक सिटी की स्थापना हेतु शीर्ष समिति के गठन को स्वीकृति दी है। उनके अनुसार यह प्रयास अगले पाँच वर्षों में बिहार को वैश्विक बैंकिंग हब और ग्लोबल वर्कप्लेस के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के युवाओं और उद्यमियों को अवसर देने के लिए स्टार्ट-अप और न्यू एज इकोनॉमी से जुड़ी गतिविधियों को विस्तार देने हेतु एक विशेष समिति के गठन को मंजूरी मिली है। इसके साथ ही मंत्रिमंडल ने बिहार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मिशन की स्थापना को हरी झंडी दी है, जिससे राज्य को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अग्रणी केंद्र बनाया जा सकेगा।

शहरी विकास पर बात करते हुए मंत्री ने बताया कि 11 शहरों—जिनमें 9 प्रमंडलीय मुख्यालय, सोनपुर और सीतामढ़ी शामिल हैं —में नए सैटेलाइट/ग्रीनफील्ड टाउनशिप विकसित करने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं, नई चीनी मिलों की स्थापना और बंद पड़ी मिलों के पुनरुद्धार के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है, जिससे किसानों और युवाओं को रोजगार व बेहतर आय के अवसर मिलेंगे।अंत में, श्री चौधरी ने कहा कि ये फैसले एक नए, विकसित और प्रगतिशील बिहार की नींव मजबूत करेंगे और जनता को इस बदलाव पर पूरा भरोसा है।

नवंबर तक ई-केवाईसी अनिवार्य, नहीं तो बंद होगा मनरेगा का काम

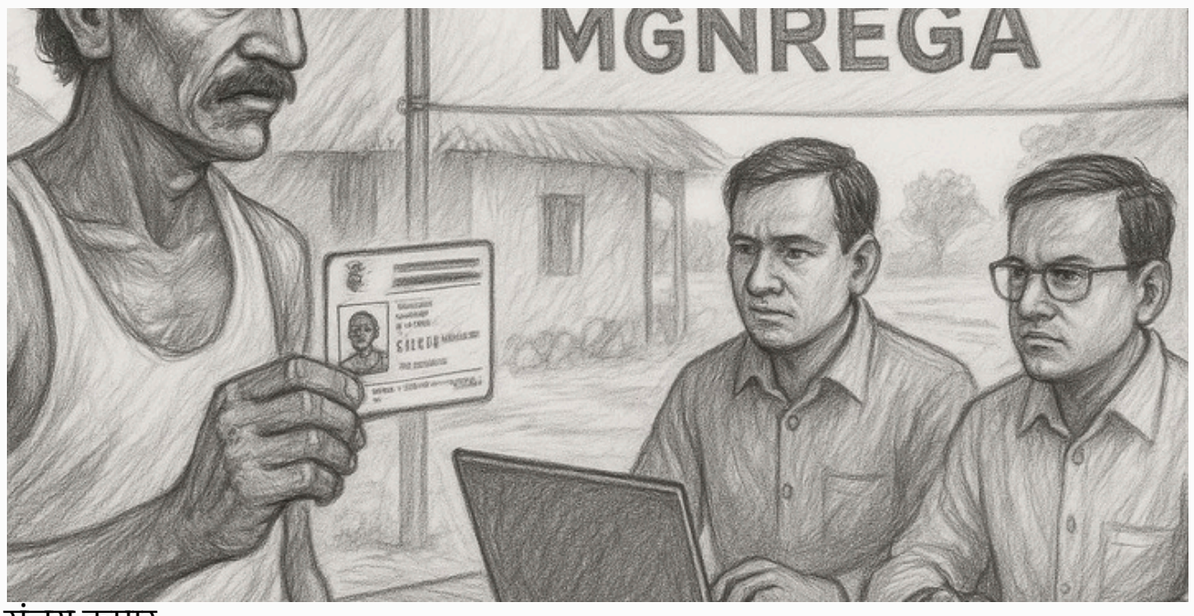

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। मनरेगा जॉब कार्डधारियों के लिए इस महीने के अंत तक ई-केवाईसी कराना अनिवार्य कर दिया गया है। निर्धारित समय सीमा तक ई-केवाईसी नहीं कराने पर संबंधित जॉब कार्ड अनएक्टिव कर दिया जाएगा, जिसके बाद मजदूरों को मनरेगा के तहत काम मिलना बंद हो जाएगा।जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार नालंदा जिले में कुल 3.18 लाख जॉब कार्डधारी पंजीकृत हैं, जिनमें से अब तक केवल 78,587 मजदूरों ने ही ई-केवाईसी पूरा कराया है। यह कुल संख्या का मात्र 25 प्रतिशत है। शेष 75 प्रतिशत कार्डधारियों को फरवरी के अंत तक प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

डीपीओ प्रवीण कुमार ने बताया कि ई-केवाईसी अभियान की निरंतर मॉनिटरिंग जिलास्तर पर डीडीसी द्वारा की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस कार्य में लापरवाही मिलने पर संबंधित प्रखंड पदाधिकारियों (पीओ, पीआरएस) से जवाब-तलब किया जा रहा है। विभाग ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि निर्धारित अवधि में शत-प्रतिशत ई-केवाईसी सुनिश्चित किया जाए।इसके तहत पीआरएस को आदेश दिया गया है कि वे कार्यस्थल पर ही मजदूरों का ई-केवाईसी कराएं, साथ ही जरूरत पड़ने पर घर जाकर भी यह प्रक्रिया पूरी करें, ताकि कोई भी मजदूर लाभ से वंचित न रहे।ई-केवाईसी यानी इलेक्ट्रॉनिक नो योर कस्टमर, एक डिजिटल सत्यापन प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि जिस व्यक्ति के नाम से जॉब कार्ड है, वही वास्तविक लाभार्थी है और उसका कार्ड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा गलत तरीके से उपयोग नहीं किया जा रहा है।प्रशासन ने मजदूरों से अपील की है कि वे समय पर ई-केवाईसी कराकर मनरेगा के लाभ को जारी रखें।

नालंदा कॉलेज में संविधान दिवस सेमिनार, लोकतंत्र और मीडिया पर होगा महत्वपूर्ण संवाद

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। संविधान निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नालंदा कॉलेज में दो दिवसीय संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसकी शुरुआत मंगलवार को हुई, जहां छात्रों में संवैधानिक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य सत्र बुधवार को निर्धारित है, जिसमें “जनहित और लोकतंत्र को मजबूत करने में मीडिया की भूमिका” विषय पर सेमिनार आयोजित किया जाएगा।

सेमिनार में वक्ता के रूप में बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) के सदस्य प्रो. अरुण कुमार भगत तथा नालंदा विश्वविद्यालय के डिप्टी डीन डॉ. राजीव रंजन चतुर्वेदी शामिल होंगे। वे छात्रों को मीडिया, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनहित से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

कॉलेज की प्राचार्या प्रो. सुनीता सिन्हा ने प्रतिभागी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान हर भारतीय नागरिक के लिए सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि छात्रों में संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करना कॉलेज की प्राथमिकताओं में शामिल है, क्योंकि यही मूल्य देश के भविष्य का निर्माण करते हैं।

कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. बिनीत लाल ने कहा कि भारत का संविधान एक जीवंत और गतिशील दस्तावेज है, जो समय और परिस्थितियों के अनुरूप खुद को प्रासंगिक

बनाता रहता है। इसलिए युवाओं का संवैधानिक विषयों पर चर्चा में सक्रिय होना आवश्यक है। राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. श्रवण कुमार ने कहा कि जिन लोकतांत्रिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं का लाभ आज समाज को मिल रहा है, उसके लिए संविधान निर्माताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जानी चाहिए।

कार्यक्रम का समन्वयन भूगोल विभाग की डॉ. प्रीति रानी ने किया। ज्यूरी सदस्य के रूप में डॉ. भावना, डॉ. शाहिदूर रहमान, डॉ. चम्पा और डॉ. मोहम्मद अली उपस्थित रहे। भाषण प्रतियोगिता में रजिया फरहत प्रथम, भक्ति प्रिया एवं अनुराधा द्वितीय और रौशनी कुमारी तृतीय रहीं। “संविधान का उद्देश्य विकसित भारत के साथ होगा साकार” विषय पर छात्रों ने उत्कृष्ट प्रस्तुति दी। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में रिया प्रियांशु ने प्रथम स्थान हासिल किया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सवर्ण विरोधी बयानों से महागठबंधन को मिली करारी मात

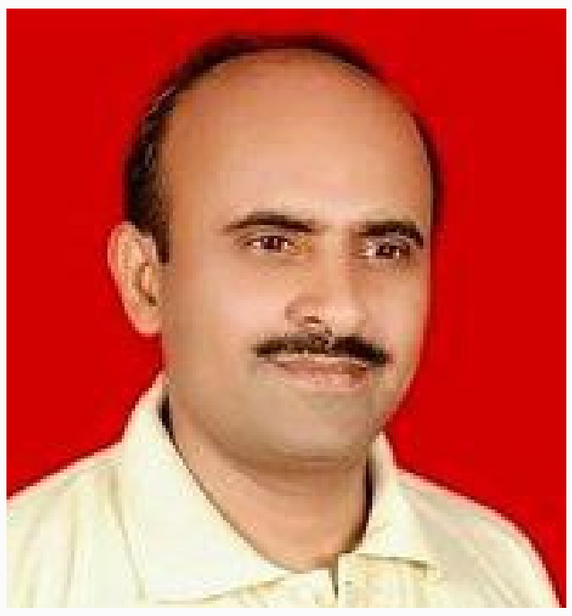

कमलेश पांडेय

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, दिग्गज राजनेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का राजनीतिक सलाहकार चाहे जो भी हो, या फिर अपनी सियासत का सियासी निर्णय लेने वाले चाहे राहुल गांधी खुद ही क्यों नहीं हों, वह या ये कांग्रेस के नैतिक पतन, सियासी कमजोरी के सबसे बड़े सूत्रधार समझे जा सकते हैं। ऐसा इसलिए कि देश के नेता प्रतिपक्ष वाली सियासी गम्भीरता राहुल गांधी और कांग्रेस से नदारद है। अब तो यह भी कहा जाने लगा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सवर्ण विरोधी बयानों से ही महागठबंधन को करारी मात मिली।

आपको याद होगा कि राहुल गांधी ने बिहार विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान सवर्ण विरोधी बयान दिए। उन्होंने कहा कि "मात्र 1 प्रतिशत सवर्ण आबादी सेना, न्यायपालिका और अफसरशाही नियंत्रित करती है।" उनके इस बयान ने सवर्ण (ऊंची जाति) समुदाय में नाराजगी पैदा की और महागठबंधन की सामाजिक संतुलन रणनीति कमजोर कर दी है।

चूंकि राहुल गांधी के पिता पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पारसी हुए और विदेशी माता सोनिया गांधी ईसाई, इसलिए इंदिरा जी का फर्जी ब्राह्मणवाद भी राहुल जी को प्रभावित नहीं कर पाया। तीन दशक बाद मुसलमानों ने, दलितों ने, कुछ पिछड़ों ने विगत लोकसभा चुनाव 2024 में उनकी कांग्रेस व उसके इंडिया गठबंधन के साथ जुड़ने की अभिरुचि क्या दिखाई, राहुल गांधी उन पर फिदा हो गए।

एक कहावत है कि नया मुल्ला ज्यादा प्याज खाता है। इसी प्रकार फर्जी जनेऊधारी ब्राह्मण राहुल गांधी ताबड़तोड़ सवर्ण विरोधी बयान देने लगे। वहीं, उनके लगातार पिछड़े वर्गों, दलितों और महिलाओं के पक्ष में दिए गए सशक्तिकरण के आक्रामक बयानों ने भी इस धारणा को मजबूत किया कि महागठबंधन ऊंची जातियों की उपेक्षा कर रहा है। चुनाव में इसका नकारात्मक असर हुआ। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में महागठबंधन को ऐतिहासिक हार का सामना करना पड़ा जिसमें गठबंधन मात्र 36 सीटों तक सिमट गया।

दूसरी ओर, एनडीए ने महिला, सवर्ण एवं गैर-यादव पिछड़ी जातियों को जोड़ने वाली व्यापक सामाजिक-राजनीतिक रणनीति से लाभ उठाया, जबकि महागठबंधन अपना परंपरागत वोट-बैंक भी समेटने में प्रभावी नहीं रहा। ऐसा इसलिए कि राहुल गांधी के जातिगत बयान, खासकर 'कास्ट सेंसस' और सवर्ण-विरोधी टिप्पणियां, भाजपा द्वारा 'बांटो और राज करो' राजनीति की तरह प्रचारित की गईं जिससे सवर्ण समुदाय का कांग्रेस समर्थित गठबंधन से और अधिक मोहभंग हुआ।

वहीं, मीडिया विश्लेषण में कम्युनिकेशन, सीट-शेयरिंग में गड़बड़ी और विपक्ष में सकारात्मक एजेंडा की कमी के साथ-साथ, इस जातीय विमर्श ने एनडीए के पक्ष में ध्रुवीकरण को तेज किया। कांग्रेस की कमजोर जमीनी उपस्थिति ने भी ऊंची जातियों और शहरी वोटर्स के विरोध को कम करने में विफलता दिखाई।

भाजपा के रणनीतिकारों ने राहुल गांधी के विवादित बयान का स्वरूप इस तरह से सवर्णों के सामने पेश करवाया कि मोदी विरोधी सवर्णों ने भी राहुल गांधी के नेतृत्व वाले गठबंधन से दूरी बना ली। भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने राहुल गांधी के बयानों को 'सवर्ण-विरोधी' कहकर मुद्दा बनाया और इसे स्वाभिमानी उच्च जातियों की अनदेखी की तरह पेश किया, जिससे गठबंधन के भीतर और बाहर दोनों तरफ असंतोष बढ़ा। इससे न सिर्फ सवर्ण बल्कि शहरी मध्यमवर्गीय मतदाताओं में भी नकारात्मक धारणा बनी, जो महागठबंधन के प्रदर्शन में गिरावट का एक प्रमुख कारण रहा। उम्मीद है कि राहुल गांधी इसे समझेंगे और अपनी रणनीति बदलेंगे।

एक खास बात और। वह यह कि सियासी शिल्पी नीतीश कुमार ने जिस 'इंडी/इंडिया गठबंधन' को अपनी राजनीतिक सेहत मजबूत करने के लिए कभी आकार दिया था, उसे संभालने या संभाले रखने की क्षमता भी राहुल गांधी-प्रियंका गांधी की टीम में नहीं दिखाई दे रही है। यही वजह है कि इंडिया गठबंधन के साथी दल निरंतर चुनाव दर चुनाव हार रहे हैं और इंडिया गठबंधन में भगदड़ मची हुई है। यह बात दीगर है कि क्षेत्रीय दलों की सामंती सोच भी इस स्थिति के लिए एक हद तक जिम्मेदार है। फिर भी टीम राहुल गांधी की ज्यादा गलती है।

जरा गौर कीजिए, लोकसभा चुनाव 2024 के पहले कांग्रेस की कितनी बुरी हालत थी। दो-दो लोकसभा चुनावों में वह नेता प्रतिपक्ष के लायक भी नहीं बची थी। कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश की बात छोड़ दें, तो कांग्रेस की हालत सब जगह पतली थी लेकिन क्षेत्रीय दलों ने इंडी/इंडिया गठबंधन बनाकर लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस को मजबूती प्रदान की और तब जाकर वह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी हासिल कर सकी।

यहां एक गौर करने वाली बात है। वह यह कि यदि राजद नेता लालू प्रसाद के इशारे पर राहुल गांधी ने बिहार के तत्कालीन महागठबंधन मुख्यमंत्री व जदयू के नेता नीतीश कुमार के खिलाफ चालें नहीं चली होतीं और उन्हें इंडिया गठबंधन का संयोजक बना दिया होता तो वह एनडीए की ओर पुनः नहीं लौटते। यदि ऐसा होता तो केंद्र में लोकसभा चुनाव 2024 के बाद इंडिया गठबंधन की सरकार बनती। इस प्रकार राहुल गांधी अपनी सियासी अदूरदर्शिता से पीएम बनने का एक स्वर्णिम अवसर गंवा दिये।

खैर, लोकसभा में नेता सदन के बजाय नेता प्रतिपक्ष तो बन ही गए लेकिन उसके बाद उन्होंने इंडिया गठबंधन को हांकना शुरू कर दिया। इससे उत्तरप्रदेश में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, दिल्ली के आम आदमी पार्टी प्रमुख, अरविंद केजरीवाल, महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव भाऊ ठाकरे और एनसीपी शरद पवार प्रमुख शरद पवार, बिहार के राजद नेता तेजस्वी यादव की नाराजगी बढ़ती गई।

वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शुरू से ही कांग्रेस को भाव नहीं दे रही हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला तक इंडिया गठबंधन में निरंतर बढ़ते दरारों से परेशान हो गए। परिणाम यह हुआ कि यूपी उपचुनाव 2024 में अखिलेश यादव, हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024, में महा अगाड़ी गठबंधन (कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी व एनसीपी शरद पवार का गठबंधन) के उद्धव भाऊ ठाकरे व शरद पवार, दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में अरविंद केजरीवाल, बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में तेजस्वी यादव, आदि अपनी औकात में आ गए।

सिर्फ झारखंड विधान सभा चुनाव 2025 में झामुमो के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, और जम्मूकश्मीर विधानसभा चुनाव 2025 में नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस को अपनी लाज बचाने के मौके अपनी रणनीति से दिए। उधर, उड़ीसा के बीजू जनता दल के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भी उसी भाजपा के हाथों अपनी सत्ता गंवा दी, जिसकी सहयोग वह पर्दे के पीछे से करते रहते थे।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि लोकसभा चुनाव 2024 के बाद कांग्रेस नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन ने भाजपा को गहरा धक्का दिया, लेकिन एनडीए ने उसकी लाज बचा ली। फिर, यूपी विधानसभा उपचुनाव 2024, महाराष्ट्र, हरियाणा, उड़ीसा, विधानसभा चुनाव को जीतकर बीजेपी अपना उत्साह वापस पा ली और बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जीतकर एनडीए ने अपनी सियासी बुलंदियों का परचम लहरा दिया।

यह सब इसलिए संभव हो पाया, क्योंकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव, राजद नेता तेजस्वी यादव, शिव सेना यूबीटी नेता उद्धव भाऊ ठाकरे, एनसीपी शरदपवार नेता शरद पवार,आम आदमी पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल आदि अपने अपने सियासी जिद पर कायम रहे और एकदूसरे को मजबूत बनाने के बजाय उन्हें कमजोर करने की चालें चलीं। परिणाम समाने है। इससे राहुल गांधी को सबक लेनी चाहिए। उनके विरोधियों को भी यह समझना होगा कि कांग्रेस को कमजोर करके वे कभी मजबूत नहीं हो सकते हैं।

एक बात और। इंडिया गठबंधन के पास मुद्दों का घोर अकाल है। भाजपा को अछूत पार्टी बनाने से लेकर सांप्रदायिक पार्टी ठहराने की होड़ में कांग्रेस व क्षेत्रीय दलों ने राष्ट्र को कमजोर करने वाली राजनीति शुरू कर दी जो अब उनके लिए घातक बन चुकी है। यह ठीक है कि 80 प्रतिशत हिंदुओं का विरोध करते करते ये लोग लगभग 15-20 प्रतिशत मुस्लिमों को अपने पास जोड़ पाए हैं लेकिन इस वोट बैंक पर भी सभी अपना अपना कब्जा चाहते हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 में संविधान बचाने के लिए जो दलित कांग्रेस व क्षेत्रीय दलों की ओर लौटे थे, वो पुनः भाजपा से जुड़ गए। अखिलेश के पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक (पीडीए) गठबंधन की हवा भाजपा ने निकाल दी है, क्योंकि उसने यूपी में जिस वैकल्पिक पिछड़ा, दलित, अगड़ा (वैकल्पिक पीडीए) गठबंधन का आह्वान किया और एक रहोगे तो सेफ रहोगे का नारा दिया (बंटोगे तो कटोगे की सभ्य भाषा), वह बिहार विधानसभा चुनाव में अपना जलवा दिखा चुका है।

यह राष्ट्रीय दुर्भाग्य का विषय है कि कांग्रेस व क्षेत्रीय दल वामपंथी नक्सलवाद और इस्लामिक आतंकवाद को मुद्दा बनाने से हिचकते हैं क्योंकि इससे उनका मुस्लिम/यादव यानी माय समीकरण कमजोर होता है। वहीं, दलित/मुस्लिम यानी दम समीकरण भी असरदार नहीं बन पाता है। अब बीजेपी ने भी महिला/यूथ यानी वैकल्पिक माय समीकरण को हवा दे दी है, जो बिहार विधानसभा चुनाव में सफल हुआ। वहीं, उसने दलित और पसमांदा मुसलमानों को जोड़कर व वैकल्पिक दम समीकरण को मजबूती दे दी है। विपक्ष से रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य, सम्मान के नारे छीन चुकी है। बिजली, सड़क, पानी के मुद्दे छीन ली। वहीं, विपक्षी दलों की तरह फ्रीबीज मुद्दों को छीनकर विपक्ष को पंगु बना चुकी है।

उधर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी सियासी मूर्खता की सारी हदें पार कर दी हैं। जिन मुद्दों पर जोर देने के चलते कांग्रेस का सियासी पतन हुआ, वह उन्हीं मुद्दों पर फिदा हो रहे हैं। जिन क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस की कब्र खोदी, उन्हीं से गठबंधन कर रहे हैं। उनके पिता जी के नाना जवाहर लाल नेहरू कश्मीरी ब्राह्मण थे। उनके दादा फिरोज गांधी पारसी हैं। इससे राहुल गांधी भी पारसी हुए। ऐसे में उनके सवर्ण विरोधी रूख से कांग्रेस के अलावा उसके सहयोगी दलों से भी सवर्ण नाराज हो गए। बिहार विधानसभा चुनाव में इसकी स्पष्ट झलक दिखी।

स्मरण धर्मेंद्र: चला गया हिंदी फिल्मों का 'ही मैन'

डॉ घनश्याम बादल

रियल लाइफ और रील लाइफ में बेहद फर्क होता है लेकिन कुछ शख़्स ऐसे होते हैं जो अपने फिल्मीऔर वास्तविक जीवन दोनों में ही लोगों की आंखों के तारे बन जाते हैं. हिंदी फिल्मों के पहले ही मन धर्मेंद्र ऐसी ही शख्सियत रहे हैं।

पंजाब की धरती से आए मजबूत शरीर वाले युवा धर्मेंद्र हिंदी फ़िल्म उद्योग की लंबी यात्रा में हमेशा चमकते रहे. वह केवल पर्दे तक सीमित नहीं रहे बल्कि दर्शकों के दिलों में गहराई तक बस गए।

धर्मेंद्र एक ऐसा ही नाम है जिसने अपनी सरलता, ग्लैमर और सौम्यता तथा, अभिनय क्षमता और बेफ़िक्र स्वभाव से भारतीय सिनेमा में एक विशिष्ट पहचान बनाई। 'ही-मैन' के नाम से मशहूर धर्मेंद्र ने छह दशकों से अधिक समय तक न केवल फिल्मों में धमाकेदार उपस्थिति दर्ज कराई बल्कि अंतिम सांस तक अपनी जीवंतता और अपनी बहुमुखी प्रतिभा से खुद को प्रासंगिक बनाए रखा। 24 नवंबर को पंचतत्व में विलीन होने से पहले तक 89 वर्ष की उम्र में भी उन्होंने फिल्मों में काम किया और आने वाले दिसंबर में उनकी एक फिल्म और रिलीज होगी।

धर्मेंद्र का परिवार फिल्मों से दूर-दूर तक नहीं जुड़ा हुआ था न ही उनका फिल्मों में कोई गॉडफादर था । 8 दिसंबर 1935 को पंजाब के लुधियाना जिले के साहनेवाल में जन्मे धर्मसिंह देओल यानी हम सबके प्यारे धर्मेंद्र बेहद साधारण परिवार से थे. बचपन से ही उन्हें सिनेमा का चाव था। किशोरावस्था में वे दिलीप कुमार और सुरैया की फ़िल्में देखते और खुद को पर्दे पर देखने का सपना संजोते थे ।1960 में 'फ़िल्मफ़ेयर टैलेंट हंट' के माध्यम से धर्मेंद्र को फिल्मों में आने का मौका मिला। इस सफलता ने उनके लिए मुंबई का रास्ता खोला हालांकि संघर्ष आसान नहीं था। धर्मेंद्र का फिल्मी सफर 1960 की फ़िल्म 'दिल भी तेरा हम भी तेरे ' से शुरू हुआ। शुरुआती दौर में रोमांटिक भूमिकाओं ने उन्हें 'सॉफ्ट हीरो' की छवि दी। अनपढ़, बंधन, फूल और पत्थर जैसी फ़िल्मों में उन्होंने अपनी अभिनय क्षमता का लोहा मनवाया लेकिन 1966 में आई 'फूल और पत्थर' धर्मेंद्र के लिए मील का पत्थर साबित हुई और उन्होंने इसके लिए पहला फ़िल्मफ़ेयर अवॉर्ड भी जीता। यहीं से धर्मेंद्र का नाम मीना कुमारी के साथ जोड़ा गया हालांकि यह रिश्ता लंबा नहीं चल पाया। 1970 का दशक धर्मेंद्र के लिए स्वर्णिम काल था जब उनकी जोड़ी हेमामालिनी के साथ बनी। दोनों की रोमांटिक केमिस्ट्री ने शोले, सीता और गीता, आप की कसम, चुपके-चुपके, जुगनू, ड्रीम गर्ल आदि कितनी ही सफल फ़िल्में देकर फिल्म जगत और दर्शकों दोनों को ही अपना प्रशंसक बना लिया। हालांकि धर्मेंद्र का फिल्मी करियर एक रोमांटिक हीरो के रूप में शुरू हुआ था लेकिन उन्होंने एक्शन आइकन और 'ही-मैन' की पहचान दोनों को बरकरार रखा। उन्हें हिंदी सिनेमा का पहला 'एक्शन हीरो' कहा जा सकता है। शोले के वीरू का किरदार आज भी भारतीय सिनेमा का जीवंत हिस्सा है और उनका "बसंती..." वाला संवाद हर पीढ़ी के बीच लोकप्रिय है। उनकी ताकत, स्क्रीन-प्रेजेंस और आकर्षक व्यक्तित्व ने उन्हें 'ही-मैन' का खिताब दिलाया।भले ही धर्मेंद्र की पहचान मुख्य रूप से रोमांस और एक्शन से बनी हो और उनकी मस्कुलर छवि के पीछे उनकी कॉमिक टाइमिंग छिप जाती है लेकिन चुपके-चुपके जैसी फ़िल्मों में धर्मेंद्र ने सिद्ध किया कि वे हर भूमिका में फिट बैठने वाले एक संपूर्ण कलाकार थे । दर्शकों की नजर में वे पर्दे पर जितने जोशीले थे, उतने ही सरल और सहज भी।

धर्मेंद्र ने अभिनय के साथ-साथ निर्माण क्षेत्र में भी उपस्थिति दर्ज की। 'विजेता फ़िल्म्स' के बैनर तले उन्होंने घायल, बरसात, दिल्लगी, अपने, यमला पगला दीवाना जैसी फ़िल्में बनाईं। उनके पुत्र सनी देओल और बॉबी देओल और अभय देओल भी सफल फिल्म अभिनेता हैं और उनकी फिल्मी विरासत को आगे बढ़ा रह हैं । उनकी बेटी ईशा देओल भी उनकी अभिनय विरासत को आगे बढ़ा रही है। धर्मेंद्र का परिवारिक जीवन भी फिल्मों की तरह सुर्खियों में रहा। धर्मेंद्र की दूसरी शादी हेमामालिनी से हुई और दोनों बेटियों ईशा और अहाना भी अभिनय और कला के क्षेत्र में हैं।

एक सुपरस्टार और समर्थ फिल्म अभिनेता के रूप में धर्मेंद्र की उपलब्धियों की सूची लंबी है। भारतीय सिनेमा में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मानित किया गया। धर्मेंद्र को मिले मुख्य सम्मानों में फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड (1997) पद्म भूषण (2012),भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्माननेशनल अवॉर्ड (फिल्म 'घायल' के लिए, एक निर्माता के रूप में) जी सिने अवॉर्ड्स, स्टारडस्ट अन्य मंचों परभी वह अनेक बार सम्मानित हुए । हर बड़े कलाकार की तरह धर्मेंद्र का जीवन भी विवादों से अछूता नहीं रहा । उनकी दूसरी शादी हमेशा चर्चा में रही, विशेषकर तब जब उन्हें अपनी पहली पत्नी से तलाक लिए बिना दूसरी शादी करने का आरोप झेलना पड़ा और यहां तक कहा गया कि उन्होंने हेमा मालिनी से शादी करने के लिए अपना धर्म तक परिवर्तित कर लिया था लेकिन धर्मेंद्र हेमा मालिनी से विवाह के उपरांत भी प्रकाश कौर से पहले की तरह ही जुड़े रहे और अंत तक उनके साथ रहे।

धर्मेंद्र ने भी राजनीति में प्रवेश किया और 2004 में भाजपा उम्मीदवार के रूप में वे बीकानेर से लोकसभा सांसद बने लेकिन संसद में उनकी गैर-हाज़िरी आलोचना का विषय बनी रही । बाद में उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि राजनीति उनके स्वभाव के अनुरूप नहीं थी और वे स्क्रीन पर अभिनय को

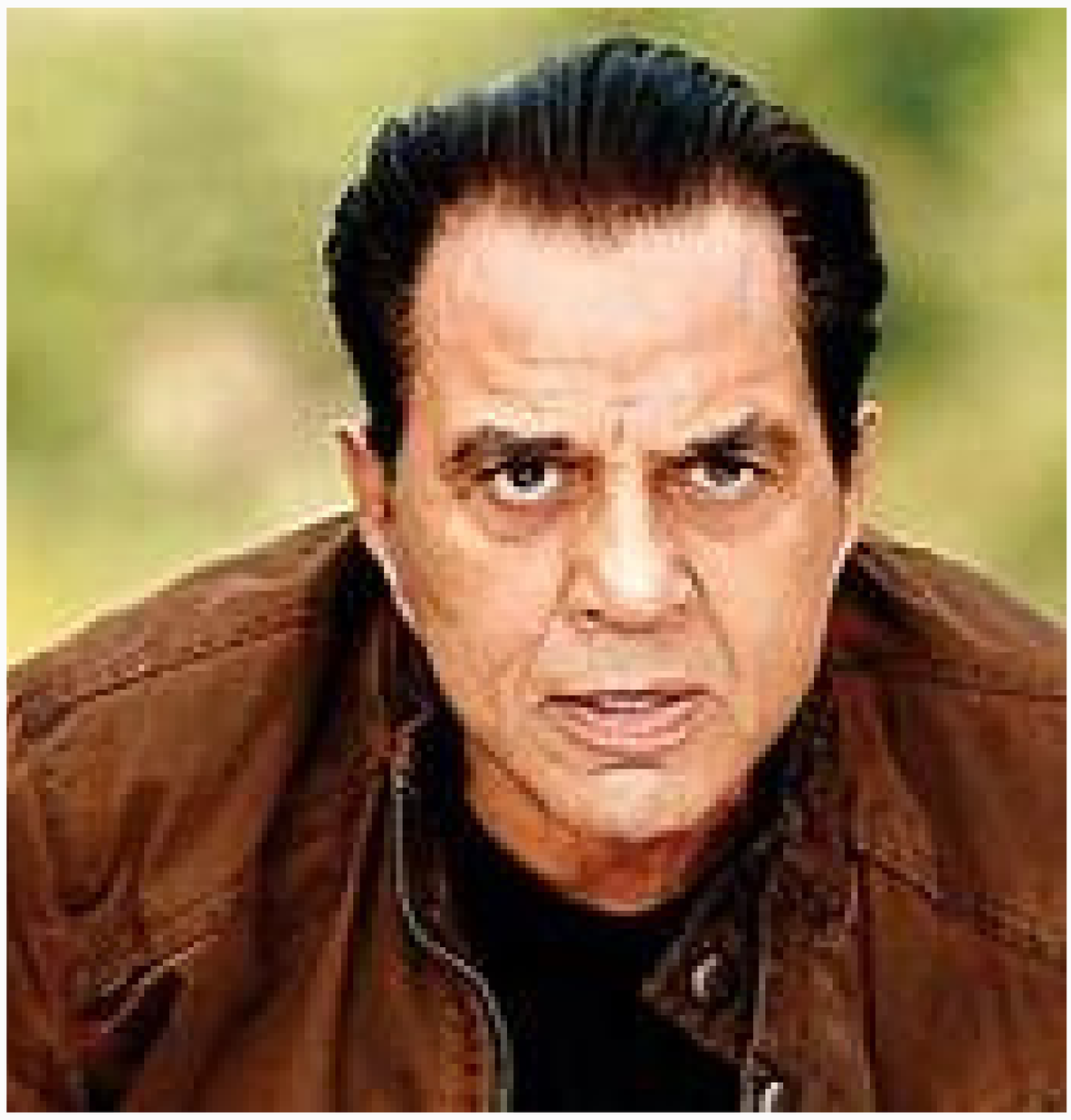

ही अपनी असल पहचान मानते थे।धर्मेंद्र की सबसे बड़ी खूबी थी उनकी सादगी और ईमानदारी। आम आदमी की भावनाओं को समझना और उन्हें जीवंत करना उनकी खासियत रही। यही वजह है कि वे गांवों से लेकर बड़े शहरों तक हर वर्ग के दर्शकों के हीरो बने। आज भी सोशल मीडिया पर उनकी विनम्रता, खेतों से जुड़े वीडियो और सरल जीवनशैली दर्शकों को उनसे जोड़ती है। उन्होंने अपनी उम्र के साथ किसी दिखावे की कोशिश नहीं की—यह गुण उन्हें और भी विशिष्ट बनाता है।धर्मेंद्र सिर्फ अभिनेता नहीं बल्कि भारतीय सिनेमा का एक अध्याय हैं। उनकी फिल्में, संवाद, किरदार और व्यक्तित्व आज भी प्रेरणा देते हैं। उनकी विरासत को आगे बढ़ाते सनी देओल, बॉबी देओल, ईशा देओल, और अब अगली पीढ़ी के युवा कलाकार भी उनकी सीख और अनुभव से लाभान्वित हो रहे हैं। धर्मेंद्र का जीवन संघर्ष, सपनों , सफलता और सादगी का मेल है। उन्होंने अपनी मेहनत और अभिनय से भारतीय सिनेमा को कई यादगार चरित्र दिए। खास तौर पर समाज के पिछड़े और दबे हुए वर्ग की आक्रोश को उन्होंने अपने लाउड एक्टिंग रेंज से मुखर किया। धर्मवीर का जोशीला नायक, प्रतिज्ञा का मस्त मौला जट यमला पगला दीवाना, शोले का बीरू जब जब भी पर्दे पर दिखाई देंगे तब तब धर्मेंद्र याद आएंगे ही। उनका खास डायलॉग "कुत्ते मैं तेरा खून पी जाऊंगा...." लगभग हर फिल्म में दोहराया जाता था। धर्मेंद्र की दरियादिली, आगे बढ़कर लोगों और दोस्तों की मदद करना, फिल्म के छोटे कलाकारों को आगे बढ़ाने और बड़े कलाकारों को अपने अभिनय से टक्कर देने के किस्से अब किस्सा बन चुके धर्मेंद्र को बस यादों में ही याद कराएंगे ।

बड़े कलाकार और बढ़िया इंसान के रूप में धर्मेंद्र को शत-शत नमन।

नेसरा मोड़ के पास 91 वर्षीय बुजुर्ग का शव मिला, हत्या का अंदेशा

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। करायपरसुराय थाना क्षेत्र के नेसरा मोड़ के पास सड़क किनारे सोमवार देर रात एक बुजुर्ग पुरुष का शव मिलने से इलाके में सनसनी पैदा हो गई। जानकारी के अनुसार, करीब रात 10:50 बजे पुलिस को सूचना मिली कि सड़क के पास एक व्यक्ति चित अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष करायपरसुराय पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे।पुलिस ने शव की पहचान श्यामदेव यादव, उम्र लगभग 91 वर्ष, पिता स्वर्गीय रामेशर यादव, निवासी ग्राम नेसरा, थाना करायपरसुराय, जिला नालंदा के रूप में की। मृतक के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे, जिसके बाद स्थिति की पुष्टि हुई।मृतक के पुत्र राजकुमार यादव के आवेदन पर करायपरसुराय थाना में कांड संख्या 262/25, दिनांक 25.11.2025 के तहत धारा103(1)/3(5) बीएनएस एवं 27 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत पांच नामजद आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव पर पाए गए चोटों का वैज्ञानिक परीक्षण किया। प्राथमिक जांच में गोली लगने से मौत होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि अंतिम पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। घटना से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है।

रबी चौपाल में किसानों को योजनाओं, तकनीक और प्रदूषण नियंत्रण पर मार्गदर्शन

बेन (अपना नालंदा)। बेन पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 1, रन्नु बिगहा गांव स्थित देवी स्थान के निकट मंगलवार को रबी किसान चौपाल 2025 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को रबी मौसम के लिए आधुनिक कृषि तकनीक, सरकारी योजनाओं और फसल प्रबंधन संबंधी जानकारियों से अवगत कराना था।

चौपाल में कृषि समन्वयक बृज कुमार और किसान सलाहकार देवनारायण प्रसाद ने किसानों को बीज वितरण व्यवस्था, कृषि यंत्रीकरण योजना, फसल अवशेष प्रबंधन, मिट्टी स्वास्थ्य, उर्वरक संतुलन और रबी फसलों की उन्नत पद्धतियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सरकार की कई योजनाओं के तहत कृषि उपकरणों पर अनुदान उपलब्ध है, जिसका लाभ किसान लेकर खेती की लागत कम कर सकते हैं और उत्पादन बढ़ा सकते हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को विशेष रूप से फसल अवशेष प्रबंधन को गंभीरता से अपनाने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि खेतों में अवशेष जलाना प्रदूषण बढ़ाने, मिट्टी की उर्वरता घटाने और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाला कदम है। इसके स्थान पर अवशेषों के वैज्ञानिक प्रबंधन, मशीनों के उपयोग और जैविक खाद बनाने जैसे विकल्पों को अपनाने पर जोर दिया गया।

चौपाल में बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे, जिनमें प्रमुख रूप से प्रमोद कुमार, साधु शरण प्रसाद, सुधीर प्रसाद, जमुना प्रसाद, गौरव कुमार, गांधी जी सहित कई ग्रामीण किसान शामिल हुए। किसानों ने प्राप्त जानकारी के आधार पर कृषि कार्यों को बेहतर तरीके से करने का संकल्प व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने किसानों से अपील की कि वे आधुनिक तकनीकों और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर उत्पादक, सुरक्षित और पर्यावरण हितैषी खेती को बढ़ावा दें।

सैदपुर में मां तपेश्वरी स्मृति दिवस पर 500 गरीबों को कंबल

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। मां तपेश्वरी देवी जी की 19वीं पुण्यतिथि पर मंगलवार, 25 नवंबर को उनके पैतृक गांव सैदपुर में स्वर्गीय राम नरेश प्रसाद सिंह "भोला" फाउंडेशन की ओर से जरूरतमंदों के लिए गर्म कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गांव और आसपास के क्षेत्रों के 500 से अधिक गरीब एवं असहाय लोगों के बीच कंबल बांटे गए।

कार्यक्रम की शुरुआत फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. जीतेंद्र कुमार सिंह द्वारा मां तपेश्वरी देवी के तैलचित्र पर माल्यार्पण और धूप-दीप प्रज्वलन के साथ की गई। उन्होंने मां तपेश्वरी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी सेवा, करुणा और समाजहित के विचार आज भी प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने बताया कि मां तपेश्वरी के जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए फाउंडेशन द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कंबल वितरण और अन्य राहत कार्य किए जा रहे हैं।डॉ. सिंह ने कहा कि ठंड के मौसम में गरीब और बेसहारा लोगों की मदद करना मानवता का सबसे बड़ा धर्म है। फाउंडेशन आगामी समय में भी सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों को जारी रखेगा, ताकि जरूरतमंद परिवारों को राहत मिल सके।कंबल वितरण कार्यक्रम के सफल संचालन में मुरगांवा के कन्हैया जी, सैदपुर के इंद्रजीत सिंह, सुनील सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए फाउंडेशन को धन्यवाद दिया।कार्यक्रम के दौरान सौहार्दपूर्ण और भावनात्मक माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने कहा कि ऐसी सामाजिक गतिविधियां समाज में सहयोग और संवेदना की भावना को मजबूत करती हैं।

नवंबर तक मनरेगा से बने खेल मैदानों का होगा विभाग को हैंडओवर

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। मनरेगा के तहत जिले में निर्मित खेल मैदानों को नवंबर माह के अंत तक संबंधित विभागों को हैंडओवर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिले में कुल 159 खेल मैदान निर्माण का लक्ष्य निर्धारित था, जिनमें से 138 मैदानों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 21 मैदान निर्माणाधीन हैं।

मनरेगा डीपीओ प्रवीण कुमार ने बताया कि विद्यालय परिसरों और पंचायत क्षेत्रों को मिलाकर बड़े पैमाने पर खेल मैदान विकसित किए गए हैं। विभागीय आदेश के अनुसार सभी पूर्ण मैदानों को निर्धारित समय सीमा के भीतर संबंधित विभागों को सौंप दिया जाएगा, ताकि आगे उनकी देखरेख और उपयोगिता सुनिश्चित की जा सके। विद्यालय परिसर में बने मैदानों की जिम्मेदारी विद्यालय प्रशासन को और पंचायत स्तर पर निर्मित मैदानों की जिम्मेदारी पंचायत सरकार को सौंपी जाएगी। डीपीओ ने बताया कि तीन प्रकार के खेल मैदान तैयार किए गए हैं, जिनमें बड़े आकार के 4 एकड़ क्षेत्रफल वाले 14 मैदान भी शामिल हैं। मैदानों में बास्केटबॉल और बैडमिंटन कोर्ट, क्रिकेट पिच तथा बैठने के लिए चबूतरा जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं।

उन्होंने कहा कि खेल मैदानों के निर्माण का उद्देश्य गांव स्तर पर खेल को बढ़ावा देना है, ताकि खिलाड़ी स्थानीय स्तर पर अभ्यास कर सकें। इससे युवाओं को पुलिस, सिपाही और अन्य सेवाओं की तैयारी में भी मदद मिलेगी। बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों तक, सभी वर्ग इन मैदानों का लाभ उठा सकेंगे। बुजुर्ग लोग सुबह-शाम टहलने के लिए भी इन मैदानों का उपयोग कर पाएंगे।जिले के विभिन्न प्रखंडों में चयनित खेल मैदानों की संख्या इस प्रकार है— अस्थावां 11, बेन 8, बिहारशरीफ 8, बिंद 3, चंडी 6, एकंगरसराय 14, गिरियक 4, हरनौत 6, हिलसा 11, इस्लामपुर 14, करायपरसुराय 2, कतरीसराय 4, नगरनौसा 4, नूरसराय 8, परवलपुर 8, रहुई 8, राजगीर 4, सरमेरा 5, सिलाव 7 और थरथरी 4।

जदयू प्रवक्ता अंजुम आरा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से की मुलाकात

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। मंगलवार को जदयू की प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने हाल ही में एनडीए को मिले अपार जनादेश पर मुख्यमंत्री को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जनता ने विकास, सुशासन और विश्वास के आधार पर एनडीए गठबंधन को फिर एक बार मजबूत जन समर्थन दिया है, जिसे पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ निभाया जाएगा।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बातचीत के दौरान अंजुम आरा ने प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के लिए रोजगार के मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि पार्टी संगठन और सरकार मिलकर जनहित से जुड़े कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अंजुम आरा ने कहा कि आने वाले समय में सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए प्राथमिकता के साथ योजनाओं को लागू करेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अनुभव, दूरदृष्टि और सरल नेतृत्व प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जदयू प्रवक्ता ने विश्वास जताया कि एनडीए सरकार बिहार को विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य की दिशा में नए आयाम स्थापित करेगी। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं के योगदान की सराहना की और जनता के हित में काम करने का संदेश दिया।

अंत में अंजुम आरा ने कहा कि पार्टी जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनने और समाधान तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी।

www.apnanalanda.com

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

नालन्दा का नंबर 1 अखबार

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

नालन्दा की जनता की आवाज

अपने क्षेत्र की खबर भेजने
ओर विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

9031468165
9608311251

नालंदा जिले के सभी प्रखंडों में संवाददाता सह विज्ञापन प्रतिनिधि कि आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति 9031468165 पर संपर्क करें।